अनुक्रम

पुरोवाक्
प्रो. जी. गोपीनाथन 11

17 एक दूसरी ज़िन्दगी
निर्मल वर्मा

गढ़ना आत्मा के लुहारखाने में
रमेशचन्द्र शाह 24

पुस्तकें मुझमें
31 और मैं पुस्तकों में रहता हूँ
राममूर्ति त्रिपाठी

चक्षु में अंजन जैसी 39
यशदेव शल्य

49 साधो, यह सब अकथ कहानी
पुरुषोत्तम अग्रवाल

पढ़ना एक ऋण का स्वीकार है
वागीश शुक्ल 58

छलांग लगाकर पढ़ना
64 मुझे पसंद नहीं
नंदकिशोर आचार्य

दूसरी दुनिया से
परिचयात्मक संवाद 72
गंगा प्रसाद विमल

79 मेरे तेरे नाते अनेक
अजित कुमार

उसे किताबें दो, किताबें दो ! 85
गिरधर राठी

91 दवा और दुआ जैसा नशा
मृदुला गर्ग

यह जन्म मिला किस अर्थ अहो
चित्रा मुद्गल 100

जिनसे जीवन को
106 और अधिक जाना
प्रयाग शुक्ल

काली तख्ती पर
एक अक्षर चावल से तो 116
दूसरा दाल से
श्रीराम वर्मा

120 अनुभव की भूमि पर भाषा के फूल
ध्रुव शुक्ल

जिल्द के किनारों के बीच 125
सुदर्शन नारंग

133 विवशता से वरदान तक
जयशंकर

याद आता है पुस्तकों से
भरा-पूरा जीवन 137
उर्मिला शिरीष